

हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 16 दिसंबर 2025, समय 1305 (05 मिनट))

राष्ट्र आज विजय दिवस मना रहा है, जो 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय की याद दिलाता है। हर वर्ष इस दिन, देश उन वीर योद्धाओं के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है जिनकी कहानियां राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी हुई हैं। 1971 में आज के ही दिन पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाज़ी ने 93 हजार सैनिकों के साथ भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी सेना के समक्ष बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में अलग हो गया।

विजय दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीर सैनिकों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों के शौर्य और बलिदान ने 1971 में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा ने राष्ट्र की रक्षा की और हमारे इतिहास में गौरव का एक क्षण अंकित किया। उन्होंने कहा कि यह दिन उनकी वीरता को सलाम करने और उनके अद्वितीय साहस की याद दिलाने का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सैनिकों की वीरता भारत की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके साहस और बलिदान ने 1971 में ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित की। सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने कहा कि सैनिकों के साहस, वीरता और मातृभूमि के प्रति अद्वितीय समर्पण ने हमेशा देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता और देशभक्ति देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों की वीरता ने पाकिस्तान के खिलाफ

निर्णायक विजय दिलाई, जिसके परिणामस्वरूप स्वतंत्र बांग्लादेश का जन्म हुआ और क्षेत्र के भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आया। श्री राधाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध ने न्याय और स्वतंत्रता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अद्वितीय व्यावसायिकता को प्रदर्शित किया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना, नौसेना और वायु सेना ने त्रुटिहीन समन्वय के साथ कार्य करते हुए इतिहास को नया रूप दिया और भारत के रणनीतिक संकल्प को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता, अनुशासन और युद्ध भावना पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और राष्ट्रीय इच्छाशक्ति को मजबूत करेगी।

हरियाणा में भी आज विजय दिवस मनाया जा रहा है। जींद के शहीदी स्मारक पर सेना के अधिकारियों एवं पूर्व सैनिकों ने विजय दिवस पर, युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले असंख्य वीर शहीदों को नमन किया और उन्हें पुष्पांजलि देकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी सैनिकों ने शहीद सैनिकों की याद में वीर जवान अमर रहे के नारे भी लगाए।

लोकसभा में कल विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 पेश किया गया। इसे आगे की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति-जेपीसी को भेज दिया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस विधेयक को पेश किया। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना है।

भाजपा नेता योगेश्वर शर्मा ने कहा है कि दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय

एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।

उन्होंने कहा है कि यह घटना विपक्ष की हताशा, निराशा और राजनीतिक दिवालियापन को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। योगेश्वर शर्मा ने कहा कि हर राज्य में करारी हार के बाद बोखलाई कांग्रेस के नेताओं ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है तभी वो देश के प्रधानमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

भाजपा नेता योगेश्वर शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का स्वागत है, किंतु व्यक्तिगत गालियाँ और मर्यादाहीन टिप्पणी न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं, बल्कि देश की जनता का भी अपमान हैं, जिन्होंने जनादेश देकर प्रधानमंत्री को चुना है।

हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की तरफ से प्रदेश सरकार के आदेशानुसार राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल के सभागार में कल वीर बाल दिवस के उपलक्ष में सैंड आफ आर्ट शो का आयोजन किया गया।

40 मिनट के सैंड ऑफ आर्ट शो में मुगलों के जुल्म और 4 साहिबजादों की वीरगाथा को युवा पीढ़ी के समक्ष रखा गया।

इस शो में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 4 साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह, व फतेह सिंह के शहादत के हर लम्हें को अनोखे अंदाज में दिखाया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कल सोनीपत में सीएम गुड गवर्नेस एसोसिएट्स 2025 के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल एक कार्यक्रम का उद्घाटन नहीं, बल्कि हरियाणा में सुशासन की नई परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प है।
